*शीतकालीन सत्र में सांसद आशीष दुबे ने उठाईं क्षेत्र की ज्वलंत समस्याएं, वंदेमातरम की 150वीं वर्षगांठ से लेकर विकास योजनाओं तक हुई व्यापक चर्चा*

# लोकसभा में गूंजी जबलपुर की आवाज

हरिभूमि, जबलपुर।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से प्रारंभ होकर 19 दिसंबर को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ। इस सत्र के दौरान लोकसभा में राष्ट्रहित और जनकल्याण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर विमर्श हुआ। 8 दिसंबर को राष्ट्रगीत वंदेमातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विशेष चर्चा आयोजित की गई, जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, जबकि चर्चा का समापन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया। यह जानकारी जबलपुर संसदीय क्षेत्र के लोकसभा सांसद आशीष दुबे ने एक पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि चुनाव सुधारों पर हुई चर्चा में लोकसभा के 62 सदस्यों ने भाग लिया, जो भारतीय लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

### लोकसभा में जबलपुर से जुड़े अहम सवाल

सांसद दुबे ने बताया कि शीतकालीन सत्र के दौरान उन्होंने जबलपुर संसदीय क्षेत्र से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषय लोकसभा में उठाए। इनमें आदर्श युवा ग्राम सभा (मॉडल यूथ ग्राम सभा एमवाईजीएस), राष्ट्रीय यंत्रीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र एवं नमस्ते योजना के उद्देश्य, सतत औद्योगिक विकास हेतु संशोधित हरित क्षेत्र एवं वृक्षारोपण मानदंड, अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म और जीओआई स्टैक्स मोबाइल एप्लिकेशन जैसे विषय प्रमुख रहे।

### विकास, स्वास्थ्य और रोजगार पर फोकस

सांसद दुबे ने बताया कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम की प्रगति, किफायती स्वास्थ्य देखरेख और सुलभ चिकित्सकीय पर्यटन, तकनीकी वस्त्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जीआरपीटी योजना, आवश्यक वस्तुओं की मूल्य निगरानी को मजबूत करने के लिए नए उपकरणों, पीएम कुसुम योजना के क्रियान्वयन, एमएसएमई क्षेत्र में ऋण और पूंजी उपलब्धता, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की पीएलआई योजना, ग्राम पंचायतों में अटल भूजल योजना की स्थिति जैसे विषयों पर भी प्रश्न उठाए गए। इन सभी प्रश्नों का संबंधित केंद्रीय मंत्रियों द्वारा सदन में उत्तर दिया गया।

### युवाओं को मिलेगा लाभ

सांसद दुबे ने कहा कि जबलपुर के विद्यार्थियों और युवाओं को शीघ्र ही केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी आदर्श युवा ग्राम सभा योजना का लाभ मिलेगा। यह योजना युवाओं को नेतृत्व, नवाचार और सामुदायिक विकास से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी पहल है।

### 23 से 25 दिसंबर तक होगा सांसद खेल महोत्सव

सांसद आशीष दुबे ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी परिकल्पना का साकार रूप है, जिसका उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और फिट इंडिया मिशन को मजबूती देना है। उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव 2025 का जिला स्तरीय आयोजन जबलपुर में 23 से 25 दिसंबर तक किया जाएगा। इससे पूर्व पिछले दो महीनों में विकासखंड स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा चुकी हैं। 23 दिसंबर को रानीताल खेल परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे खेल, युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के मुख्य आतिथ्य में होगा।

## प्रशासन ने खोला अंसार नगर मस्जिद का ताला

# रंग लाई आपसी समझौते की पहल, शुरू हो गई नमाज़

**जबलपुर।** शुक्रवार को जुमे की नमाज़ से पहले अंसार नगर मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के दो गुटों में इमाम को लेकर हुआ विवाद हंगामे में बदल गया था, बढ़ते तनाव व अनहोनी की आशंका को देखते हुए भारी पुलिस बल व प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मस्जिद में ताला लगा दिया गया था, जिसके बाद से लगातार दो पक्षों के बीच कई दौर की बैठकें हुईं। शनिवार को भी मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना डॉ. मुहम्मद मुशाहिद अहमद कादरी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हाजी मुहम्मद कदीर सोनी, सरदार हामिद हुसैन, पार्षद याकूब अंसारी, पार्षद अख्तर अंसारी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष अशरफ मंसूरी, मेहफूज़ टेलर, सगीर बंबईया आदि ने दोनों पक्षों को समझाईश दी और स्थानीय लोगों के

हस्ताक्षरयुक्त आवेदन प्रशासन को सौंपकर बताया कि दो पक्षों में समझौता हो गया है, समझौते की विधिवत लिखित जानकारी मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस मौके पर पहुँची और शाम चार बजे मस्जिद का ताला खोल दिया गया, जिसके बाद अज़ान हुई और फिर नमाज़े अस्र अदा की गयी।

सौहार्दपूर्ण माहौल में दोनों पक्ष के लोग गिले शिकवे भुलाकर गले मिले और भविष्य में आपसी सहमति व सदभाव से हर समस्या के समाधान का संकल्प लिया। 24 घण्टे के भीतर मस्जिद का ताला खुलने से जहाँ नमाज़ियों, अंसार नगर क्षेत्र के नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ गयी, वहीं पुलिस व प्रशासन ने भी राहत की सांस ली।

### डॉ. सलमा जमाल को "विद्या वारिधि सम्मान"

**जबलपुर।** नगर एवं देश की सुप्रसिद्ध कवयित्री/ कथाकार डॉ. सलमा जमाल को श्री मौन तीर्थ विद्यापीठ उज्जैन के अधिष्ठाता मोनी बाबा महाराज के जन्म महोत्सव के 116वें श्रद्धा पर्व के अवसर पर 2025 के सम्मान प्रदान किये गये, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों के शिक्षाविद् एवं साहित्यकारों ने भाग लिया। श्री मौन तीर्थ पीठ के पीठाधीश्वर अनन्त श्री विभूषित ब्रह्मनिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. सुमनानन्द गिरी के पावन सानिध्य में, विद्वान विभूतियों के मध्य अभिषेक पूजन, यज्ञ, भंडारा एवं अलंकरण प्रदान किया गया। डॉ. सलमा जमाल को शॉल, मोमेंटो एवं 'विद्या वारिधि सम्मान' से अलंकृत किया गया। नगर की विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं ने हर्ष व्याप्त कर कवयित्री को बधाई दी।

## कबीलों ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार, दस्तावेजों के साथ प्रशासन से सुरक्षा और पट्टे की मांग

# जबलपुर के घुमक्कड़ जाति के लोगों को रोहिंग्या, बांग्लादेशी बताए जाने का आरोप

**जबलपुर।** जिले में रह रहे घुमक्कड़ जाति के लोगों ने स्वयं को रोहिंग्या और बांग्लादेशी कहकर प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाते हुए जिला अधीक्षक पुलिस को ज्ञापन सौंपा है। कबीले के मुखिया अमूर खां पिता नत्थू खां के हस्ताक्षर से दिए गए आवेदन में कहा गया है कि वे और उनका कबीला पिछले 60-70 वर्षों से मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में रहकर जीवन यापन कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें विदेशी बताकर परेशान किया जा रहा है, जिससे वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

**बकरा-बकरी पालन और मजदूरी से चला रहे जीवन-** आवेदन में उल्लेख किया गया है कि घुमक्कड़ जाति के लोग परंपरागत रूप से बकरा-बकरी पालन करते हैं और इसके साथ मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते आ रहे हैं। पीढ़ियों से घूमते-फिरते रहने के कारण वे एक स्थान पर स्थायी रूप से नहीं रुके, लेकिन पिछले 25-30 वर्षों से जबलपुर जिले में ही रह रहे हैं। उनका कहना है कि वन विभाग द्वारा जंगलों में चराई पर रोक लगाए जाने के बाद से उन्हें स्थायी ठिकाने की तलाश में मजबूरी में जिले में बसना पड़ा।

**पंचायत को दी जाती थी पूरी जानकारी-** कबीले के मुखिया ने बताया कि जब भी वे किसी जिले या गांव में ठहरते थे, तो सबसे पहले संबंधित ग्राम पंचायत में जाकर सरपंच को कबीले की पूरी जानकारी देते थे। सरपंच के पत्र में कबीले के पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और पशुओं की संख्या दर्ज कराई जाती थी, जिसे कोटवार अथवा पंचायत स्तर पर संज्ञान में लिया जाता था। उनका दावा है कि उनके कबीले के 60-70 साल के इतिहास में न तो कोई आपराधिक रिकॉर्ड है और न ही किसी सदस्य पर कोई केस दर्ज है।

**राजस्थान से जुड़ा इतिहास, दमोह में दफन पूर्वज-** आवेदन में कबीले के इतिहास का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि उनके बुजुर्गों से सुनी बातों के अनुसार उनके पूर्वज राजस्थान में चंबल नदी के किनारे रहते थे। वहां बांध निर्माण के दौरान सरकार द्वारा विस्थापित किए जाने के बाद वे मुआवजा लेकर अलग-अलग क्षेत्रों में घूमने लगे। अमूर खां ने बताया कि उनके पिता नत्थू खां का निधन दमोह में हुआ था और उनकी मजार आज भी वहां मौजूद है। वहीं उनकी दादी का इंतकाल भी दमोह के पास हनोतिया गांव के निकट हुआ, जहां उन्हें दफनाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनका संबंध भारत की भूमि से ही रहा है।

**पीढ़ियों का विवरण और दस्तावेज पेश-** कबीले के मुखिया ने अपने पूर्वजों के नामों, उनकी संतानों और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों- सागर, छिंदवाड़ा, कटनी, रायसेन, विदिशा, नरसिंहपुर, जबलपुर सहित अन्य क्षेत्रों में उनके आवागमन का विस्तृत विवरण आवेदन में दिया है। साथ ही दमोह में रहने वाले दादा चुन्नी खां की जमीन के कागजात और वर्ष 1984 से 2004 तक के मुसाफरी संबंधी दस्तावेजों की प्रतियां भी प्रशासन को सौंपने की बात कही गई है।

**न्याय की अपील-** आवेदन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे भारतीय नागरिक हैं, उनके पूर्वज यहीं मरे और यहीं दफन हुए, फिर भी उन्हें रोहिंग्या और बांग्लादेशी कहकर क्यों परेशान किया जा रहा है। कबीले ने शासन-प्रशासन से सुरक्षा, सहयोग और रहने के लिए पट्टे दिए जाने की मांग की है। साथ ही संविधान पर भरोसा जताते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की गुहार लगाई है।

## खेरमाई वार्ड में विभिन्न स्थानों पर विधायक निधि से 25 लाख की लागत से सड़क निर्माण कार्य का हुआ भूमिपूजन

**जबलपुर।** पूर्व विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत खेरमाई वार्ड में विधायक निधि से 25 लाख रुपये की स्वीकृत राशि द्वारा कराए जा रहे विभिन्न स्थानों पर सड़क (रोड) निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि खेरमाई वार्ड में विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण कार्य जनआवश्कताओं को ध्यान में रखते हुए स्वीकृत किया गया है। इन सड़कों के निर्माण से आवागमन सुगम होगा और क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में श्याम पीपडा, रमेश पीपडा, नजर अली, मुन्नू पंडा, धर्मेन्द्र पटारिया, धीरेन्द्र विश्वकर्मा, ताहिर अली, इम्तियाज अली, कलीम खान, आमीन पहलवान, अशफाक, कल्लू खान आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## विराट अष्ट महालक्ष्मी नारायण कुबेर महायज्ञ व नर्मदा पुराण 26 से

**जबलपुर।** श्री माँ महालक्ष्मी धार्मिक सेवा समिति पचमठा महालक्ष्मी मंदिर आधारताल तालाब जबलपुर द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी लोक कल्याण, वैभव, संतान प्राप्ति, सुख-समृद्धि, पारिवारिक सुख-शांति, गृह क्लेश निवारण एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए विराट अष्ट महालक्ष्मी नारायण कुबेर महायज्ञ 26 दिसम्बर से प्रारंभ हो रहा है, जिसकी कलश यात्रा 26 दिसम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे प्रारंभ होगी, कलश यात्रा में 501 कलशधारी महिलाएं शामिल होंगी। श्रद्धालु भक्तों से उपस्थिति की अपील पुजारी एवं यज्ञकर्ता पं. कपिल महाराज, समिति अध्यक्ष पं. ऋषि मिश्रा, दिनेश ताम्रकार, दिवाकर सोनी, एड. जीपी शुक्ला, सुनील केशरवानी, देवेन्द्र तिवारी, सुबोध पहारिया, कपिल खरे सहित अन्य ने की है।

## नारी मंगल समिति के शताब्दी वर्ष पर लगा 'आनंद मेला'

**जबलपुर।** सामाजिक सेवा महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक चेतना की मिसाल नारी मंगल समिति ने अपने शताब्दी वर्ष पर आनंद मेला का भव्य व ऐतिहासिक आयोजन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाजसेविका ज्ञानेश्वरी दीदी रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. कावेरी शाह पटेल एवं डॉ. पुष्पराज पटेल उपस्थित रहे। आनंद मेला में समिति सदस्यों ने बंगाली, चायनीज, नार्थ इंडियन व्यंजन, खेलकूद, वस्त्र तथा कश्मीरी उत्पाद के स्टॉल लगाये। इस अवसर पर अंतर विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता में 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण स्मारिका "शतरूपा" का विमोचन रहा। आयोजन को सफल बनाने में नारी मंगल समिति की सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा।

## जन संगठनों का आंदोलन आज

**जबलपुर।** 24 नवम्बर से जबलपुर को डाउनग्रेड कर राष्ट्रीय स्पीड पोस्ट हब श्रेणी से हटा दिया गया है। प्रदेश में इंदौर, भोपाल, ग्वालियर तथा जबलपुर ऐसे चार नेशनल स्पीड पोस्ट हब थे, किन्तु अकेले जबलपुर को डाउनग्रेड किया गया है। इस अन्याय के खिलाफ जनसंगठनों का प्रदर्शन 22 दिसम्बर को दोपहर 01 बजे घंटाघर के पास किया जाएगा।

## महाभियोग प्रस्तावः तुष्टिकरण की राजनीति और न्यायिक आतंकवाद

**जबलपुर।** 9 दिसंबर 2025 को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, डीएमके की कनिमोझी करुणानिधि, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव सहित 107 से अधिक विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष न्यायमूर्ति स्वामीनाथन के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत किया। यह कदम स्पष्ट रूप से अल्पसंख्यक वोट बैंक की राजनीति और हिंदू विरोधी मानसिकता का परिचायक है।

**न्यायमूर्ति स्वामीनाथन के विरुद्ध इस राजनीतिक षड्यंत्र की पूरे देश में करें निंदा**

92 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने महाभियोग प्रस्ताव की कड़ी निंदा की है, जिनमें सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश आदर्श गोयल और हेमंत गुप्ता तथा विभिन्न उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, भारतीय जनता पार्टी के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने इसे "हिंदू विरोधी एजेंडा" और "वोट बैंक की राजनीति" करार दिया है। कानूनी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसे राजनीतिक रूप से प्रेरित महाभियोग प्रयास न्यायाधीशों को डराने का संदेश देते हैं।

**आपातकाल दोहराने का प्रयास-** यह प्रयास 1975 के आपातकाल की याद दिलाता है, जब सरकार ने न्यायाधीशों को दबाने और पदच्युत करने के विभिन्न तरीके अपनाए थे। केशवानंद भारती मामले के बाद सर्वोच्च न्यायालय के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों की अधिक्रमण की घटना और न्यायमूर्ति एच आर खन्ना को किनारे लगाने की घटना इस देश के इतिहास के काले अध्याय हैं। आज फिर से कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दल न्यायपालिका पर राजनीतिक दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। यह न केवल असंवैधानिक है, बल्कि लोकतंत्र के लिए घातक भी है। इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी पूरी दृढ़ता से न्यायमूर्ति आर. स्वामीनाथन के साथ खड़ी है। उन्होंने केवल अपना संवैधानिक कर्तव्य निभाया है और सदियों से चली आ रही धार्मिक परंपरा को संरक्षित करने में न्यायपालिका की भूमिका निभाई है।हम देश की जनता से अपील करते हैं कि वे इस राजनीतिक षड्यंत्र को विफल करने के लिए आगे आएं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता केवल एक संवैधानिक सिद्धांत नहीं है, यह हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। जो दल संविधान और न्याय की दुहाई देते हैं, आज वही न्यायपालिका पर हमला कर रहे हैं। यह उनके दोहरे चरित्र और वास्तविक मंशा को उजागर करता है।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

**रायपुर संस्करण -** 1042. राजू साहू पिता\पति चंद्रकांत साहू पता- डूमर तालाब रायपुर 1043. यामिनी देवांगन पिता\पति श्री जितेन्द्र देवांगन पता - न्यू चंगोरा भाटा रायपुर 1044. संस्कृति सोनकर पिता\पति संदीप सोनकर पता- सत्ती मंदिर सोनकर पारा पुरानी बस्ती रायपुर 1045. एश्वर्या देवांगन पिता\पति मनोज देवांगन पता - भीम नगर 1046. केशव देवांगन पिता\पति श्री प्रशांत देवांगन पता - रायपुर टिकरापारा 1047. श्रीमति सुषमा साहू पिता\पति स्व. श्री वी. आर. साहू पता-पोटिया कला न्यूज़ मिनाक्षी नगर दुर्ग, 1048. निशा प्रसाद पिता\पति राजपत प्रसाद पता-दुर्ग, 1049. कली राम यादव पिता\पति श्री प्रसादी राम यादव पता-बैगा पारा दुर्ग, 1050. योगेश सिंह राजपूत पिता\पति लतेल सिंह राजपूत पता-बजरंग नगर दुर्ग, 1051.लक्ष्य पटेल पिता\पति श्री दुर्गेश पटेल पता-पटेल पारा उरला दुर्ग, 1052. रेवा राम यादव पिता\पति कन्हर यादव पता-कसारीडीह दुर्ग, 1053. देवेन्द्र कुमार साहू पिता\पति भिखम साहू पता-गातापार बेल्हारी दुर्ग, 1054. रामदास मानिकपुरी पिता\पति स्व. बिसम्भर दास पता-टेमरी सुरमा दुर्ग, **बिलासपुर संस्करण -** 1055. प्रांजल वर्मा पिता/पति - संतोष कुमार वर्मा पता - सरगुजा 1056. सुनील मुंडा पिता/पति - राम रतन मुंडा पता- सरना पारा 1057. अनिल कुमार अग्रवाल पिता/पति- निरंजन अग्रवाल पता- जोड़ा पीपल अम्बिकापुर 1058. मेधा गोयल पिता/पति - आयुष गोयल पता - भैयाथान सूरजपुर 1059. ज्ञानेश्वरी एक्का पिता/पति- छबि लाल एक्का पता- बलरामपुर 1060. सना आफ़रीन पिता/पति- अमीन अख्तर पता- जरहागढ़ महामाया रोड 1061. मालवाती सिंह पिता/पति- जगत सिंह पता -नमनकला सटीक पार1062. पंकज राज भगत पिता/पति- इदर साय भगत पता - नायपार फूँदडीह अम्बिकापुर 1063. अलफिया फातिमा सिद्दीकी पिता/पति- मकसूद अहमद पता - बरेजपारा सदर रोड लक्ष्मी चौक 1064. बेनेदीक तिर्की पिता/पति - एलबस तिर्की पता - तुलसी चौक गंगापुर अम्बिकापुर 1065. श्रीमती सीमा केडिया पिता/पति- अजय कुमार केडिया पता - देवीगंज रोड अम्बिकापुर 1066.दीपमाला कुशवाहा पिता/पति - रोशन लाल कुशवाहा पता - केदारपुर अम्बिकापुर 1067. ऋचा दुबे पिता/पति - केनाबन्ध बौरिपारा अम्बिकापुर 1068. सिकंदर दास पिता/पति -मणिपुर चौक अम्बिकापुर 1069. स्नेह लता मेहता पिता/पति - कन्या परिसर रोड कमल भवन अम्बिकापुर 1070. नमन मिश्रा पिता/पति- राजेन्द्र कुमार मिश्रा पता - शीतल किरना स्टोर के पास गंगापुर 1071. रीता केरकेटा पिता/पति- राजेश बरवा पता - गंगापुर स्कूल पारा अम्बिकापुर 1072. वासु गुप्ता पिता/पति - महेंद्र प्रसाद गुप्ता पता - ब्रहम रोड सती पारा अम्बिकापुर 1073. आदिती पिता/पति- रिंकू पता - केंटीन दफई हरदी बाड़ी 1074. ममता मिश्रा पिता/पति - कृष्णा कुमार मिश्रा पता- मिशन चौक अम्बिकापुर 1075. हारून रसीद पिता/पति - मुस्ताक अहमद पता- वार्ड- 36, महामाया रोड 1076. प्रवीण कुमार मिश्रा पिता/पति -कृष्णा कुमार मिश्रा पता- मिशन चौक अम्बिकापुर 1077. शिवंशी सिन्हा पिता/ पति - शिव प्रकाश सिन्हा पता - शीतल वार्ड - 32, अम्बिकापुर 1078. आदित्य एक्का पिता/पति - मंगल एक्का पता - सूरजपुर बस स्टैन्ड 1079. पूनम फातिमा पिता / पति - शिवनाथ पता - अम्बिकापुर 1080. राजकुमार वैष्णव पिता/पति- भगत वैष्णव पता - गंगापुर अम्बिकापुर 1081. अशोक कुमार भगत पिता/पति - भुनेश्वर राम भगत पता - नमनकला राज मोहनी देवी वार्ड ,**भोपाल संस्करण** 1082. अब्दुल लतीफ खान पिता\पति - अनीस उर रहमान कसेरापुरा शाहजानाबाद भोपाल,1083.दिशा जैतवाल पिता\पति–दीपक जैतवाल बैरागढ़कला, 1084. दीपक चौकसे पिता\पति - जमना प्रसाद11लाम्बाखेड़ा, 1085. प्रेम शंकर कोरी पिता\पति - दुर्गा प्रसाद कोरीबाग मुगलिया श्रीराम नगर, 1086. तालिका पटेल पिता\पति - कमलेश पटेल मकान न. 36 नई बस्ती बाग मुगलिया, 1087. सिदरा खान पिता\पति - इजराइल खान193 नयापुरा पंचशील नगर, 1088. आकृति सेन पिता\पति - सुरेन्द्र सेन चार इमली भोपाल, 1089. आदित्य शर्मा पिता\पति - सोमेश शर्मा कृषक नगर, 1090. नेहा विश्वकर्मा पिता\पति - विश्वकर्मा नगर करोद भोपाल, **जबलपुर संस्करण-** 1091. संजय नामदेव पिता\पति - स्वर्गीय राम मिलन नामदेव निगवानी रोड कोतमा वार्ड नंबर 4, 1092. स्मृति द्विवेदी पिता\पति - श्री आलोक नारायण द्विवेदी अनूपपुर वार्ड नंबर 13, 1093. मीमांशा सनादय पिता\पति - प्रणय कुमार शर्मा वार्ड नंबर 9 जैतहरी मार्ग अनूपपुर, 1094. गौरी सोनी पिता\पति - श्री बाला प्रसाद सोनी कोतमा, 1095. आयुष साहू पिता\पति - श्री अजय साहू जबलपुर, 1096. सोनू साहू पिता\पति - समदड़िया ग्रीन सिटी विजयनगर, 1097. अमर चौधरी पिता\पति - आसाराम चौधरी मकान नंबर 93 प्रेम सागर पुलिस चौकी के पास,1098. मकसूद अहमद बरेसपारा अम्बिकापुर 1099. अर्चना चौबे शंकर घाट अम्बिकापुर 1100. अजय कुमार पासवान बनारस रोड गांधीनगर।

नियम एवं शर्तें लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

पौष मास के तृतीय रविवार पर श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ में हुआ वैदिक अनुष्ठान

# सूर्य आराधना से जागृत होती है जीवन ऊर्जा और धर्म चेतना

हरिभूमि, जबलपुर।

श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में विश्वकल्याणार्थ पौष मास के पावन अवसर पर मास-पर्यन्त चल रही सूर्योपासना के अंतर्गत रविवार को तृतीय रविवार विशेष का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति और वैदिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। मठ परिसर वेद-मंत्रों, सूर्य स्तुति और भक्तिरस से गुंजायमान हो उठा।

**महारुद्राभिषेक से प्रारंभ हुआ पावन अनुष्ठान-** कार्यक्रम के शुभारंभ में ब्रह्मचारी श्री सुबुद्धानन्द जी महाराज एवं ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानन्द जी महाराज ने अपने करकमलों से भगवान सदाशिव का विधिवत महारुद्राभिषेक किया। इसके पश्चात भगवान श्री सूर्य नारायण को अर्घ्य अर्पित कर पाटल्य पुष्पों से सहस्त्रार्चन सम्पन्न कराया गया। वैदिक ब्राह्मणों के शुद्ध मंत्रोच्चार के बीच भक्तों ने भावपूर्वक पूजन में सहभागिता की।

**सूर्यदेवः सृष्टि के प्राण और धर्म के आधार-** ब्रह्मचारी श्री सुबुद्धानन्द जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि सूर्यदेव केवल खगोलीय ग्रह नहीं, बल्कि सृष्टि के प्राणस्वरूप और पूजनीय देवता हैं। वे ऊर्जा, आरोग्य, तेज और अनुशासन के अधिष्ठाता हैं। सूर्योपासना से मनुष्य में सकारात्मकता, आत्मबल और धर्मबुद्धि का विकास होता है।

**आदित्य हृदय स्तोत्रः विजय का अमोघ मंत्र-** उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम सूर्यवंशी थे और उन्होंने स्वयं सूर्योपासना कर मानव समाज को मार्गदर्शन दिया। रावण से युद्ध के पूर्व ऋषि अगस्त्य द्वारा उपदिष्ट आदित्य हृदय स्तोत्र के पाठ से श्रीराम को अपार शक्ति और विजय की सिद्धि प्राप्त हुई। यह स्तोत्र आज भी जीवन के संकटों में संबल प्रदान करता है।

**लक्ष्मण मूर्छा और सूर्य कृपा का दिव्य प्रसंग-** प्रवचन के दौरान लक्ष्मण मूर्छा का प्रसंग सुनाते हुए ब्रह्मचारी जी ने कहा कि मेघनाद के शक्ति-बाण से लक्ष्मण मूर्छित हो गए थे। सुषेण वैद्य ने सूर्योदय से पूर्व संजीवनी बूटी लाने का उपाय बताया। इस संकट में भगवान श्रीराम ने संकटमोचन हनुमान जी को स्मरण कर संजीवनी लाने को कहा और भगवान श्री सूर्य नारायण से प्रार्थना की कि वे तभी उदित हों जब लक्ष्मण का प्राणरक्षण हो जाए। प्रभु की कृपा से हनुमान जी संजीवनी सहित पर्वत उठा लाए और लक्ष्मण पुनः स्वस्थ हुए।

**सूर्योपासना से आरोग्य, तेज और विजय-** ब्रह्मचारी श्री सुबुद्धानन्द जी महाराज ने कहा कि भगवान श्री सूर्य नारायण की आराधना से रोगों का नाश, जीवन-ऊर्जा की वृद्धि और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। यह उपासना आत्मिक और शारीरिक दोनों स्तरों पर कल्याणकारी है।

**विशिष्टजनों की गरिमामयी उपस्थिति-** इस पावन अवसर पर विधायक अभिलाष पाण्डेय, वरिष्ठ भाजपा नेता विनोद गोटिया, भारत सिंह यादव, नगर पंडित सभा अध्यक्ष रमेश दुबे, श्री वासुदेव शास्त्री, संतोष तिवारी, रोहित दुबे, डॉ. दीपक बहरानी, मधु यादव, नीता पटेल, दिव्या ऋषि सिरोठिया, महेश मीना गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, आशीष चौकसे, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, पीयूष दुबे, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य ,राज गुप्ता, गोविंदा साहू, शिव गुप्ता, लकी शर्मा, सुनील गुप्ता, रोहित तिवारी, मीडिया प्रभारी मनोज सेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गणेश नगर कछपुरा में व्यासपीठ से पं. सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री के ओजस्वी उद्गार

# पिता की तरह भक्त का ध्यान रखते हैं भगवान

हरिभूमि, जबलपुर।

मनुष्य को जीवन में हर क्षण भगवान का स्मरण करते रहना चाहिए, क्योंकि जिस प्रकार पिता अपने पुत्र की रक्षा करता है, उसी प्रकार भगवान अपने सच्चे भक्त की रक्षा स्वयं करते हैं। संसार में जीव अनेक प्रकार की कामनाओं के साथ भगवान की पूजा-अर्चना करता है कोई दुःखों से मुक्ति के लिए, कोई स्वर्ग-प्राप्ति के लिए तो कोई परिवार के कल्याण की कामना से। परंतु वास्तव में भगवान से कुछ मांगने की आवश्यकता ही नहीं होती, क्योंकि वे परम पिता परमेश्वर हैं, जो बिना मांगे ही अपने भक्तों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। यह विचार गणेश नगर कछपुरा, मालगोदम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान व्यासपीठ से सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने व्यक्त किए। शास्त्री जी ने कहा कि भगवान का स्मरण मात्र ही भक्त के जीवन को भयमुक्त कर देता है और संकटों के समय वही स्मरण रक्षा-कवच बन जाता है।

**भक्ति और श्रद्धा का अनुपम संगम-** कथा के पूर्व शास्त्री जी महाराज का श्रीफल भेंट कर भावपूर्ण स्वागत किया गया। देवी-देवताओं का विधिवत पूजन-अर्चन आचार्य अमित उपाध्याय एवं संजय उपाध्याय के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की उपस्थिति से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो उठा।

**यजमानों की सहभागिता-** कथा में मुख्य यजमान निशा वर्मा, मुकेश श्रीवास्तव, सौरभ नेहा श्रीवास्तव, विपुल राखी श्रीवास्तव, आकाश शिखा श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव सहित अनेक भक्तों ने सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

**भजनों से गूंजा कथा पंडाल-** कथा के दौरान शिवा विश्वकर्मा एवं शरद तिवारी द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भक्ति संगीत के बीच कथा श्रवण करते हुए भक्तजन आत्मिक शांति का अनुभव करते नजर आए।

श्रीमद् भागवत कथा के इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि निष्काम भक्ति ही जीवन का सार है, और भगवान अपने भक्तों का पालन-पोषण पिता की तरह स्वयं करते हैं।

## गुरु मोहल्ला में श्रीमद्भागवत कथा आज से

**पाटन।** लगातार चार वर्षों से शंकरनगर गुरु मोहल्ला में होने वाली श्री मद्भागवत कथा का आयोजन इस बार 22 दिसंबर दिन सोमवार से होने जा रहा है आयोजक एवं श्री मद्भागवत कथा में राजा परीक्षित बनने वाले एडवोकेट सौरभ शर्मा एवं कविता शर्मा ने बताया कि दिन सोमवार दोपहर 2 बजे से कलश यात्रा निकाली जाएगी जो कथा स्थल से प्रारंभ हो कर माता सिद्धेश्वरी मंदिर तक जाएगी जिसके पश्चात प्रथम दिवस की कथा प्रारंभ होगी, वृंदावन से पधार रहे कथा वाचक श्री रविशंकर महाराज जी सात दिवस संगीतमय कथा का श्रवण कराया जाएगा, श्री मद्भागवत कथा की कलश यात्रा में दल दल घोड़ी नृत्य एवं श्री हनुमान जी की चलित झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा, कथा में मार्ग दर्शक रणधीर सिंह ठाकुर, एड.महेंद्र पाठक, मधु यादव, सुनील दुबे, के.के.त्रिपाठी एवं मदन दुबे द्वारा कथा भक्तों को कथा में पधार कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

## प्रगति पथ मंच ने किया ऊनी वस्त्र का वितरण



**सिहोरा।** प्री मैट्रिक आदीवासी कन्या छात्रावास में कड़ाके की सर्दी से राहत दिलाने सेवा एंव समाजिक सरोकार की अग्रणी संस्था प्रगती पर मंच ने जरूरतमंद बच्चों को ऊनी वस्त्र एंव अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया जिससे बच्चों में खुशी की लहर लोगों गई।संस्थान की प्रतिनिधि रश्मि सराफ ने बताया कि यह पहल सामाजिक सरोकारों के तहत की जा रही है।उन्होने छात्राओं को नैतिक शिक्षा एवं पारिवारिक मूल्यों का महत्व बताते हुए उन्हें राष्ट्र का भविष्य और कर्णधार बताया। इस अवसर पर प्रगति पथ मंच से कार्तिका गुप्ता,प्राशी दुआ,नीतू सिंघई,रश्मि सराफ,शचि जैन,प्रतिभा जैन उपस्थित रहीं।कार्यक्रम को सफल बनाने में अधिक्षीका राजेश्वरी चौहान एंव संध्या मार्को का योगदान रहा।

# मझौली के अनेक सरपंचों ने किया सिहोरा जिला का समर्थन

*कल होगी सीएम से भेंट*

**सिहोरा।** सिहोरा जिला की मांग को लेकर लक्ष्य समिति के बैनर तले चल रहे आन्दोलन में रविवार को मझौली विकास खंड की एक दर्जन से अधिक पंचायतों के सरपंचों,जिला पंचायत सदस्यों ने धरना में बैठकर समर्थन दिया। मुख्यमंत्री से मिलने के लिए आधा सैकड़ा से अधिक लोगों का जत्था आज सोमवार को रवाना होगा और मंगलवार को उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े की मध्यस्थता में सीएम से मुलाकात करेंगे। जिला आंदोलन से जुड़े संगठनों का कहना है कि सिहोरा की जनता वर्षों से इस मांग को लेकर संघर्षरत है और अब सरकार से ठोस निर्णय की उम्मीद की जा रही है। नगर में चर्चा गर्म है कि सरकार आखिर जिला गठन पर क्या रुख अपनाती है। जनता उम्मीद लगाए बैठी है कि इस बार संघर्ष को सार्थक परिणाम मिलेगा।

**धरना स्थल पर पहुंचे मझौली के सरपंच -** मझौली विकास खंड के अंतर्गत आने वाली ऐसी अनेक पंचायत जिनके निवासियों को मझौली जाने में परेशानी तो होती ही है साथ ही आर्थिक रुप से हानी भी होती है उन्हें सिहोरा बहुत पास पड़ता है।अब यह अलग बात है कि कुछ लोग अपना राजनैतिक स्वार्थ सिद्ध करने दुसरी तहसीलों को जिला बनाने की मांग एक सोची समझी रणनीति के तहत उठवा रहे हैं। बहरहाल ग्राम पंचायत खुडावल, दिनारी, खम्हरिया, पिपरिया, पहरुआ, मडई, धनगंवा, मोहला, बरगी, महगवां, लमकना, बडखेरा, छपरा, दर्शनी सिहोरा जनपद की ग्राम पंचायत गुनहरु, मोहसाम, कुर्रे आदि के सरपंचों ने पुराने बस स्टेंड में चल रहे धरना स्थल पर पहुंचकर सिहोरा जिला की मांग को बुलंद किया।

## *ननि के पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी एवं सहायक यंत्री संदीप जायसवाल को पितृ शोक*

**जबलपुर।** नगर निगम के पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी एवं जल विभाग के सहायक यंत्री संदीप जायसवाल के पिता डॉक्टर श्री आर. के. जायसवाल जी का बीमारी के चलते आकस्मिक निधन शनिवार रात 11:30 हृदय गति रुक जाने से हो गया है । उनकी अंतिम संस्कार आज दिनांक 21 दिसंबर रविवार को सुबह 11 बजे गौरीघाट मुक्ति धाम में सम्पन्न हुआ ।

# नगर पालिका ने आधा दर्जन दुकानों को किया सील



**सिहोरा।** नगर पालिका स्वामित्व की भवन भूमि प्लाट किराया दुकानों की कार्यवाही नगर पालिका सिहोरा अमले के दल द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी जयश्री चौहान के निर्देशन में बकायादारों से प्रीमियम राशि एवं बकाया किराया जमा किए जाने हेतु आज कार्यवाही में 6 दुकानों को सील किया गया एवं 1 दुकानदार से बकाया किराया राशि वसूल की गई एवं यह कार्यवाही लगातार की जावेगी समस्त कर दाताओं एवं बकायादारों से अपील है कि सभी प्रकार के करों एवं उपभोक्ता प्रभार का समय पर भुगतान करते हुए नगर विकास में सहयोगी बने और होने वाली कार्यवाही से बचें। आज सोमवार की कार्यवाही के दौरान सुशील वर्मा,मनोज खम्परिया,रवि बर्मन, अनिल गर्ग,संतोष तिवारी,वीरेंद्र तिवारी,गगन पटेल,इम्तियाज़ खान,त्रिलोक नारायण पाठक प्रतीक भार्गव,दानिश रजा आदि उपस्थित थे।

# जन-जन तक जल संचय का दिया संदेश

**पाटन।** मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संपूर्ण मध्य प्रदेश में जल संचय अभियान चलाया जा रहा है जिससे जल के महत्व जल स्रोतों के संचय का संदेश दिया जा रहा है आजपाटन विकासखंड के अंतर्गत ग्राम रोसरा सेक्टर नुनसर मैं जल संचय अभियान का कार्यक्रम जल स्रोत में बोरी बंधान करके मनाया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से विकासखंड समन्वयक अधिकारी श्रीमती नूपुर खरे द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जल संचय अभियान का संदेश जलसंचय से ही जन कल्याण रखा गया कार्यक्रम में सृष्टि महिला उत्थान समिति संस्था के अध्यक्ष श्रीमती अंजना विश्वकर्मा द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की अवधारणा को अखंड भारत सशक्त भारत का निर्माण हो सकता आदि पर प्रकाश डाला कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक श्री शिव सिंह लोधी जी एवं परामर्शदाता श्री यशवंत सेन एवं सुरेंद्र मेहरा ग्राम वासी मन्नू लाल रैकवार समिति सदस्य महेंद्र विश्वकर्मा समिति की कोषाध्यक्ष एवं ग्राम समितियां के सदस्य व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

## कक्षाओं का सफल संचालन संपन्न हुआ

**पाटन।** मुख्य मंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के तहत संचालित एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू की कक्षाएं संपन्न हुई जिसमें सभी मेंटर ने विषयवार मार्गदर्शन दिया। विकास खंड समन्वयक श्रीमति नूपुर खरे ने सभी छात्रों को फील्ड भ्रमण एलिजिबिलिटी ध्यान दिवस हेतु रजिस्ट्रेशन प्रैक्टिकल ऑनलाइन गतिविधि अपडेट जैसे विषयों पर निर्देश दिए। कार्यक्रम में परामर्श दाता रामराजा यादव कामता प्रसाद सेन प्रियंका जैन कमल झारिया यशवंत सेन उपस्थित रहे।

# सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया 115वां स्थापना दिवस

**जबलपुर।** भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने दिनांक 21.12.2025 को अपना 115वां स्थापना दिवस पूरे देश में उत्साह और गौरव के साथ मनाया। इस अवसर पर बैंक के विभिन्न कार्यालयों एवं शाखाओं में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्थापना दिवम समारोह के दौरान बैंक की समृद्ध विरासत, राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान तथा ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग सेवाओं पर प्रकाश डाला गया। बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने बैंक के संस्थापक मूल्यों- ईमानदारी, समर्पण और सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

इस अवसर पर अपने संदेश में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख अविनाश कुमार ने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पिछले 115 वर्षों से देश की आर्थिक प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाता आ रहा है। बैंक ने वित्तीय समावेशन, डिजिटल बैंकिंग, एमएमएमई, कृषि एवं सामाजिक क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उन्होंने भविष्य की रणनीतियों पर भी जोर देते हुए कहा कि नवाचार, तकनीक-आधारित सेवाओं और ग्राहक संतुष्टि के माध्यम से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आने वाले वर्षों में और अधिक सशक्त भूमिका निभाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राजेश कुमार वर्मा, वाइस चान्सलर RDVV, डॉ. अमित कुमार शर्मा डीन स्टुडेन्ट वेलफेयर JNKVV, डॉ. अमित झा, एग्रोनोमिस्ट JNKVV, ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को शोभायमान किया।

समारोह के अंत में कर्मचारियों के उत्कृष्ट योगदान को सराहा गया तथा बैंक के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य प्रबंधक अमित कुमार केशरी, विवेक कुमार, दिवाकर ठाकुर, अमृतांशु जैन, श्री शंकरचार्य का विशेष योगदान रहा।

**श्री रज्जन झारिया-** महेशपुर मदनमहल निवासी श्री रज्जन झारिया (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

**श्री राम किशन साहू-** मड़ई व्हीकल निवासी श्री अरविंद साहू के पिता श्री राम किशन साहू का निधन हो गया। अंतिम संस्कार शोभापुर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती सरस्वती बाई मेहरोलिया-** सिंगल क्वाटर लालमाटी निवासी श्री हरी लाल मेहरोलिया की धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती बाई मेहरोलिया (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती सुनीता देवी पांडे-** अनमोल नगर त्रिमूर्ति नगर रोड निवासी श्री कृष्ण नारायण पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता देवी पांडे (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती आशा बाई लोधी-** फूटाताल बढ़ई मोहल्ला निवासी श्री श्याम सिंह लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती आशा बाई लोधी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**सुश्री पूर्णिता चटर्जी-** अनगढ़ महावीर मंदिर के पास गोरखपुर निवासी श्री नकुलचंद्र चटर्जी की पुत्री सुश्री पूर्णिमा चटर्जी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती उषा माकिन-** सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री राजा रतन माकिन की धर्मपत्नी श्रीमती उषा माकिन (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री शारदा यादव-** बगीचा नं. 79, सदर कैंट निवासी श्री शारदा यादव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री अरूण कुमार जैन-** कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री अरूण कुमार जैन (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री राम दास-** हनुमानताल निवासी श्री राम दास (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती अंजना विश्वकर्मा-** सिद्धबाबा बिहारी मोहल्ला निवासी श्री सुरेश विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती अंजना विश्वकर्मा (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री सुरेश मेहतो-** गोराबाजार प्रायमरी स्कूल के पास निवासी श्री सुरेश मेहतो (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती पूजा गोंटिया-** नई बस्ती कांचघर निवासी श्री प्रदीप गोंटिया की धर्मपत्नी श्रीमती पूजा गोंटिया (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती कृष्णा सेन-** दुर्गा नगर भटौली गौरीघाट निवासी श्री मोदी सेन की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा सेन (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती शिववती जाट-** पूर्वी बेलबाग निवासी श्री धन सिंह जाट की धर्मपत्नी श्रीमती शिववती जाट (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री अजीत सिंह राजपूत-** झिरिया सदर निवासी श्री अजीत सिंह राजपूत (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती प्रकाश कौर पाहवा-** कृष्णा हाइट्स निवासी श्रीमती प्रकाश कौर पाहवा (98) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

## *संयुक्त संघर्ष समिति की शानदार जीत*

**जबलपुर।** आयुध निर्माणी खमरिया में संपन्न हुए कार्य समिति और कैंटीन कमिटी निर्वाचन में संयुक्त संघर्ष समिति लेबर यूनियन, कामगार यूनियन एवं एससी/ एसटी यूनियन ने शानदार जीत हासिल की, जीत का फैसला आधे से भी ज्यादा रहा, वहीं हैरानी की बात यह रही कि निर्माणी की तीसरी मान्यता प्राप्त यूनियन सुरक्षा कर्मचारी यूनियन इंटक के प्रत्याशी 07 निर्दलीय उम्मीदवार से भी पीछे रहे। संयुक्त संघर्ष समिति के नेता अर्नब दासगुप्ता, रूपेश पाठक, पुष्पेंद्र सिंह, सुकेश दुबे, राजेंद्र चढ़ारिया, प्रेम लाल सेन, हरिहर मीना, सीताराम ने इस जीत को कर्मचारियों की जीत बताया। साथ ही सभी कर्मचारियों का हृदय से धन्यवाद दिया।

## जिला स्तरीय सांसद खेल महोत्सव 23 से

**जबलपुर।** जबलपुर में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन जिला स्तर पर 23 से 25 दिसम्बर 2025 तक किया जा रहा है। विगत दो माह में विकासखंड स्तर पर सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा चुकी हैं। 23 दिसम्बर को सांसद खेल महोत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ रानीताल खेल परिसर में मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के मुख्य आतिथ्य में प्रातः 10 बजे होगा। शुभारंभ कार्यक्रम में खिलाड़ियों द्वारा मार्च पास्ट सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेल प्रदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। समापन कार्यक्रम 25 दिसम्बर को दोपहर 02 बजे रानीताल खेल परिसर में मध्यप्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में होगा। यह कार्यक्रम भी रानीताल खेल परिसर में आयोजित है। समापन कार्यक्रम में खेल प्रदर्शन के साथ ही बैंड की प्रस्तुति दी जाएगी एवं खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र एवं पदक वितरित किए जाएंगे। खेल महोत्सव के अंतर्गत सिहोरा, गांधीग्राम, बरगी, मंगेली, शहपुरा, कटंगी, पाटन, कुंडम, बघराजी, मझौली क्षेत्रों में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा चुकी है जिनमें एथलेटिक्स, वालीबॉल, कबड्डी, कुश्ती, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, खो-खो, रस्साकशी, हॉकी, बास्केटबॉल, वुशु, योगा प्रदर्शन आदि शामिल हैं। जिला स्तर पर भी 23 से 25 दिसम्बर तक विभिन्न खेल परिसरों में उक्त सभी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। युवा शक्ति के इस उत्सव सांसद खेल महोत्सव के समापन कार्यक्रम में 25 दिसम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से खिलाड़ियों को संबोधित करेंगे। सांसद खेल महोत्सव का प्रमुख उद्देश्य खिलाड़ियों और युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनकी छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को सामने लाना है।

# चुनावी बॉन्ड रद्द होने के बाद राजनीतिक पार्टियों का चंदा 3 गुना बढ़ा- रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनावी बॉन्ड योजना रद्द किए जाने के बाद पहले वित्तीय वर्ष में राजनीतिक पार्टियों को मिले चंदे की जानकारी सामने आई है। 2024-25 में 9 चुनावी ट्रस्टों ने राजनीतिक पार्टियों को कुल 3,811 करोड़ रुपये का चंदा दिया। इसमें से सबसे ज्यादा (82 प्रतिशत) केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को मिला है। वहीं, कांग्रेस को केवल 299 करोड़ रुपये या कुल दान का 8 प्रतिशत मिला है।

### भाजपा सबसे बड़ी लाभार्थी

सबसे ज्यादा 2,668 करोड़ रुपये प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने दिए हैं। इसमें से 2,180 करोड़ रुपये भाजपा को मिले है। इस ट्रस्ट को जिंदल स्टील एंड पावर, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, भारती एयरटेल, अरबिंदो फार्मा, टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स आदि से धन मिला है। इसके बाद प्रोग्रेसिव इलेक्टोरल ट्रस्ट ने 914 करोड़ रुपये दिए, जिसमें से 757 करोड़ भाजपा को मिले। फिर न्यू डेमोक्रेटिक इलेक्टोरल ट्रस्ट ने 160 करोड़, हार्मनी ट्रस्ट ने 35 करोड़ और ट्रिअम्फ ने 25 करोड़ रुपये दिए।

### कांग्रेस को कहां से कितना चंदा मिला?

कांग्रेस को प्रूडेंट चुनावी ट्रस्ट से 216.33 करोड़, एबी जनरल चुनावी ट्रस्ट से 15 करोड़, न्यू डेमोक्रेटिक इलेक्टोरल ट्रस्ट से 5 करोड़ और जन कल्याण इलेक्टोरल ट्रस्ट से 9.5 लाख रुपये मिले हैं। ट्रस्टों के जरिए मिली यह राशि 2023-24 में बॉन्ड से मिले 828 करोड़ की तुलना में कम है। 9 में से 5 ट्रस्ट ने कांग्रेस को कोई चंदा नहीं दिया। चिदंबरम ने भी 3 करोड़ का योगदान दिया।

### टाटा समूह ने दिए 914 करोड़ रुपये

टाटा समूह के प्रोग्रेसिव इलेक्टोरल ट्रस्ट ने 10 पार्टियों को 914 करोड़ रुपये दिए। सबसे ज्यादा 757 करोड़ रुपये (कुल राशि का 83 प्रतिशत) भाजपा को मिला। कांग्रेस को 77.3 करोड़, तृणमूल कांग्रेस, वायएसआर कांग्रेस, शिवसेना, बीजू जनता दल, बीआरएस, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), जेडीयू, डीएमके को 10-10 करोड़ रुपये मिले। टाटा समूह की 15 कंपनियों ने ये राशि दी थी। इनमें टाटा संस ने 308 करोड़, टीसीएस ने 217 करोड़ और टाटा स्टील ने 173 करोड़ रुपये दिए।

### क्या होते हैं चुनावी ट्रस्ट

चुनावी ट्रस्ट एक पंजीकृत संस्था होती है, जिसके जरिए राजनीतिक चंदे को पारदर्शी तरीके से पार्टियों तक पहुंचाया जाता है। कंपनियां राजनीतिक पार्टियों को सीधे दान नहीं देती इसलिए वे चुनावी ट्रस्ट के जरिए पार्टियों तक चंदा पहुंचाती हैं।

## सबसे ज्यादा भाजपा को 2,668, कांग्रेस को मिले 299 करोड़ रुपए

**9 ट्रस्टों का चंदा एक साल में 200 प्रतिशत बढ़ा**

एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में पंजीकृत 19 चुनावी ट्रस्टों में से 13 चुनावी ट्रस्टों के चंदे से जुड़ी जानकारी चुनाव आयोग के पास उपलब्ध थी। इनमें से 9 ट्रस्टों ने पार्टियों को कुल 3,811 करोड़ रुपये के योगदान की घोषणा की। ये पिछले वित्त वर्ष में दिए गए चंदे से 200 प्रतिशत से भी ज्यादा है। जनहित, परिवर्तन, जयहिंद और जयभारत ट्रस्ट ने 2024-25 में कोई भी

## खबर संक्षेप

### शबरीमला में 27 को होगी मंडला पूजा

**शबरीमला।** केरल स्थित शबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर में 27 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 10 मिनट से पूर्वाह्न 11.30 बजे के बीच मंडला पूजा का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के मुख्य पुजारी कंडारारू महेश मोहनारू ने बताया कि भगवान अयप्पा को पहनाई जाने वाली 'स्वर्ण अंकी' (पवित्र सोने की पोशाक) शोभायात्रा के दौरान शबरिमला में लाई जाएगी। यह शोभायात्रा 23 दिसंबर को सुबह सात बजे अरनमुला पार्थसारथी मंदिर से शुरू होगी और 26 दिसंबर की शाम को दीपाराधना से पहले सन्निधानम पहुंचने की उम्मीद है।

### अधिवक्ता हत्याकांड का आरोपी मुठभेड़ में ढेर

**सहारनपुर।** उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के गंगोह थानाक्षेत्र में रविवार तड़के एक अधिवक्ता की हत्या का मुख्य आरोपी एक लाख रुपये का इनामी बदमाश एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने बताया कि मारे गये बदमाश की पहचान सुलतानपुर जिले के निवासी सिराज अहमद के रूप में हुई, जो 2023 में अधिवक्ता आजाद अहमद की हत्या समेत हत्या के अन्य और हत्या के प्रयास के कई मामलों में वांछित था। पुलिस के अनुसार सुबह लगभग छह बजे सहारनपुर के गंगोह थानाक्षेत्र में गंगोह-नकुड़ मार्ग पर सालारपुर मोड़ के पास मुठभेड़ हुई।

### मां के पीछे चल रहे बच्चे पर तेंदुए का हमला, मौत

**अमरेली।** गुजरात के अमरेली जिले में रविवार सुबह एक तेंदुए ने एक खेती मजदूर के पांच वर्षीय बेटे पर हमला कर उसे मार डाला। घटना के बारे में सहायक वन संरक्षक प्रताप चंदू ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे एक बच्चा अपनी मां के पीछे-पीछे चल रहा था कि तभी खेत में छिपकर बैठे तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया और उसे घसीटते हुए ले गया। घायलावस्था में बच्चे को अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि धारी कस्बे के गोपालग्राम गांव में बच्चे पर हमला करने वाले तेंदुए को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

### कोलकाता में 'संघ के 100 वर्ष- नए क्षितिज' कार्यक्रम के पहले सत्र में संबोधन

# भागवत बोले- संघ किसी राजनीतिक विचारधारा को लेकर नहीं बना, भाजपा के चश्मे से न देखें

*आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने संघ की शताब्दी वर्ष व्याख्यानमाला में यह स्पष्ट किया कि संघ की स्थापना भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि भारत केवल भूगोल नहीं है। यह एक संस्कृति की तरह है। संघ किसी राजनीतिक विचारधारा को लेकर नहीं बना। न ही किसी स्थिति की प्रतिक्रिया स्वरूप शुरू किया गया। इसका लक्ष्य हिंदुओं का विकास है।*

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

डॉ. मोहन भागवत ने लोगों को नसीहत दी कि वे संघ को भारतीय जनता पार्टी के जरिए देखने की कोशिश न करें, क्योंकि यह नजरिया गलत है। भागवत का यह बयान तब आया है, जब जर्मनी में राहुल गांधी ने उन्हें लेकर कहा था, 'आरएसएस चीफ खुले तौर पर कह रहे हैं कि सच नहीं, ताकत महत्वपूर्ण है।'

डॉ. भागवत ने ऐतिहासिक संदर्भ का हवाला देते हुए कहा कि 1857 के सिपाही विद्रोह के जरिए अंग्रेजों के विरुद्ध प्रयास किया गया मगर असफल रहा। बाद में सामने आया कि मात्र सशस्त्र क्रांति से अंग्रेजों को नहीं भगाया जा सकता है जिसके बाद संघ की स्थापना की गई। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की विभिन्न धाराओं का उल्लेख करते हुए संघ को सामाजिक सुधार और एकजुटता का माध्यम बताया है।

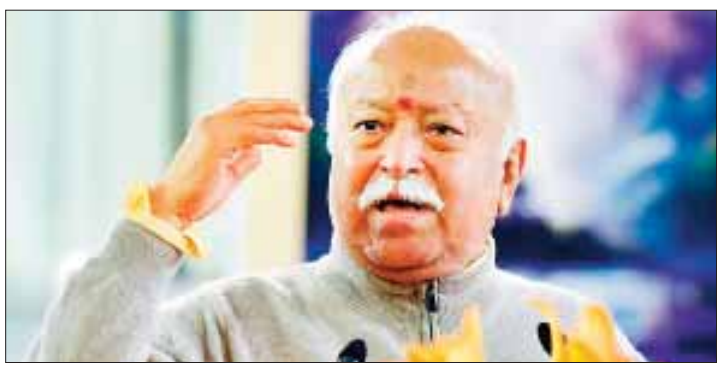

### संघ को समझने इसे महसूस करना होगा

मोहन भागवत ने कहा कि आज पूरी दुनिया आरएसएस के नाम से वाकिफ है। लोग अक्सर आरएसएस को राजनीति या किसी एक पार्टी से जोड़कर देखते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि संघ को समझने के लिए अपने पुराने विचारों को किनारे रखना होगा और इसे भीतर से महसूस करना होगा। इसके बावजूद लोगों के मन में संघ के काम को लेकर सही धारणा नहीं है। कई बार तो संघ के शुभचिंतक भी इसके कार्यों की पूरी जानकारी नहीं रखते हैं।

### भाजपा के चश्मे से देखने की गलती न करें

डॉ. भागवत ने कहा कि संघ को भाजपा के लेंस से देखने की कोशिश न करें। संघ सिर्फ एक सर्विस ऑर्गनाइजेशन नहीं है। भागवत ने कहा कि संघ को देखकर नहीं समझ सकते, उसे अनुभव करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 'संघ आया है पूर्ण करने के लिए नष्ट करने को लेकर नहीं। संघ का काम किसी से प्रतिस्पर्धा या लाभ लेना नहीं है।

### देश में चल रहे 1.20 लाख सेवा प्रकल्प

*आरएसएस प्रमुख ने बताया कि आज देश भर में संघ 1 लाख 20 हजार से ज्यादा सेवा प्रकल्प चला रहा है। ये प्रकल्प समाज और देश के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। भागवत ने कहा कि संघ का उद्देश्य किसी परिस्थिति की प्रतिक्रिया देना या किसी से मुकाबला करना नहीं था। संघ का गठन किसी के विरोध के लिए नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए हुआ था।*

### हिंदू सिर्फ नाम नहीं, पहचान है

*संघ की स्थापना के समय की स्थितियों का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि तब देश के हालात अच्छे नहीं थे। भारत लगातार बाहरी आक्रमण और गुलामी का दर्द झेल रहा था। ऐसे में हिंदू समाज को संगठित करने की जरूरत महसूस हुई। उन्होंने 'हिंदू' शब्द की परिभाषा भी स्पष्ट की। भागवत ने कहा कि हिंदू महज एक नाम नहीं, बल्कि एक विशेषण है। जो भारत को अपनी माता मानता है और उसकी पूजा करता है, वह हिंदू है। आरएसएस का लक्ष्य इसी समाज का सर्वांगीण विकास करना है।*

## टीएमसी विधायक बोले- बंगाल में बनाएंगे कृष्ण मंदिर और मोहम्मदी मस्जिद

### बाबरी मस्जिद के बाद एक और ऐलान

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है, लेकिन उससे पहले ही सूबे की सियासत गरमा गई है। तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया है, जिसको लेकर बवाल मचा हुआ है। इस बीच टीएमसी के विधायक जाकिर हुसैन ने श्री कृष्ण मंदिर और मुर्शिदाबाद में मोहम्मदी मस्जिद बनाने की घोषणा की है। तृणमूल कांग्रेस के विधायक और जाने-माने उद्योगपति जाकिर हुसैन ने घोषणा की है कि हुमायूं कबीर की बाबरी मस्जिद के बाद अब श्री कृष्ण मंदिर बनेगा, जिसकी लागत 1 करोड़ रुपए होगी। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा है कि मुर्शिदाबाद में मोहम्मदी मस्जिद बनेगी। उन्होंने कहा है कि गीता और कुरान में 85% समानता है।

**किंगमेकर बनने का दावा :** हुमायूं कबीर ने बीते दिनों ही दावा किया था कि पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद वह किंगमेकर के रूप में उभरेंगे। उन्होंने कहा था कि उनके प्रस्तावित नए राजनीतिक दल के समर्थन के बिना सूबे में कोई सरकार नहीं बन सकती। उन्होंने ये भी कहा कि 294 सदस्यीय विधानसभा में कोई भी पार्टी 148 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि मेरे समर्थन के बिना कोई भी सरकार नहीं बना सकता।

### जंगीपुर से विधायक हैं जाकिर हुसैन

जाकिर हुसैन मुर्शिदाबाद निर्वाचन क्षेत्र के जंगीपुर से टीएमसी के विधायक हैं। वो पश्चिम बंगाल के श्रम विभाग में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। हुसैन निर्वाचित सदस्य और एक सफल व्यवसायी हैं। पार्टी में शामिल होने से पहले, हुसैन बीड़ी के बड़े कारोबार में थे।

**बाबरी मस्जिद बनाने पर अड़े हुमायूं :** वहीं बात करें हुमायूं कबीर की तो वो पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर सीट से विधायक हैं। इन दिनों वो लगातार अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हुमायूं मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनाने पर अड़े हुए हैं। 6 दिसंबर को उन्होंने मस्जिद की आधारशिला रखी थी। उन्होंने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ फीता काटकर मस्जिद की नींव रखी थी। पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

### कडेनार कैंप के पास की घटना

## ऑपरेशन से लौटते समय गलती से चली गोली, जवान शहीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नारायणपुर जिले में एरिया डोमिनेशन ऑपरेशन से लौटते समय गलती से हुई फायरिंग की घटना में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड का एक जवान मारा गया। यह

घटना छोटे डोंगर पुलिस स्टेशन इलाके के कडेनार कैंप में हुई। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि नारायणपुर डीआरजी में तैनात आरक्षक बलदेव सिंह हुर्रा गलती से हुई फायरिंग की चपेट में आ गए। सिर के पास गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथी सैनिक उसे तुरंत धौड़ाई अस्पताल ले गए, जहां उसका शुरूआती इलाज हुआ। हालांकि इलाज के दौरान ज्यादा खून बहने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे। घपुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि जिस हथियार से जवान को गोली लगी थी, वह उसका था या उसके किसी मित्र का।

## कोहरे के कारण 110 उड़ानें रद्द

**नई दिल्ली।** दिल्ली हवाई अड्डे पर रविवार को कोहरे के कारण कम दृश्यता के कारण कुल 110 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 370 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ। हवाई अड्डे पर 59 आगमन और 51 प्रस्थान उड़ानें रद्द कर दी गईं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध नवीनतम जानकारी के अनुसार, 370 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ और हवाई अड्डे पर उड़ानों के प्रस्थान में औसतन लगभग 26 मिनट की देरी हुई। दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएएल ने शाम को एक पोस्ट में कहा कि परिचालन सुचारू रूप से जारी है। डीआईएएल इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करता है, जो देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है और आमतौर पर प्रतिदिन लगभग 1,300 उड़ानों का परिचालन करता है। घने कोहरे के कारण पिछले कई दिन से दिल्ली और अन्य हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन बाधित है।

### महाराष्ट्र निकाय चुनाव की मतगणना

## संजय राउत बोले- चुनाव में पैसों की बारिश हुई

**मुंबई।** शिवसेना (उद्धव) सांसद संजय राउत ने कहा- इस इलेक्शन में पैसों की बारिश हुई। भाजपा को 120-125 सीटें मिलीं, शिंदे ग्रुप को 54 मिलीं और अजित पवार को 40-42 सीटें मिलीं। ये नंबर असेंबली वाले ही हैं, है ना? वही मशीन, वही सेटिंग और वही पैसा। यही हमारी डेमोक्रेसी है। नंबरों में बिल्कुल भी बदलाव नहीं हुआ है। भाजपा ने मशीनें उसी तरह सेट की हैं। इसीलिए वही नंबर दिख रहे हैं। उन्हें कम से कम नंबर तो बदलने चाहिए थे।

**2 चरणों में हुए थे चुनाव :** महाराष्ट्र में 286 नगर परिषद और नगर पंचायतों के लिए 2 चरणों में चुनाव हुए थे। पहले चरण में 263 निकायों में 2 दिसंबर को वोट डाले गए थे। बाकी 23 नगर परिषदों और कई खाली पदों पर 20 दिसंबर को मतदान हुआ था। सभी की मतगणना आज हुई। अधिकारियों के अनुसार, नगर परिषदों और नगर पंचायतों में अध्यक्ष और सदस्यों के पदों के लिए मतदान में 47.04 प्रतिशत वोट डाले गए थे।

## पोलियो मुक्त भारत अभियान की शुरुआत...

**कमालपुरा।** कर्नाटक के कमालपुरा शहर में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने छोटे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर पोलियो मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की।

## हजारीबाग में कोयला खदान ढहने से दो लोगों की मौत

**हजारीबाग।** झारखंड के हजारीबाग जिले में कोयला खदान का एक हिस्सा ढहने से ट्रक पर सवार दो मजदूरों की मौत हो गई। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह हादसा शनिवार रात करीब 11 बजे उरीमारी थाना क्षेत्र के 'सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड' के कमांड क्षेत्र में उस वक्त हुआ, जब खदान का एक हिस्सा कोयला ढोने वाले वाहन पर गिर गया। रविवार को शुरू किए गए अभियान के दौरान दोनों शवों को मलबे से बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान सुनील यादव और राजू पासवान के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, "दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। एक अन्य व्यक्ति को दुर्घटनास्थल से निकालकर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

### बेटों ने हैसियत न होने के बावजूद पिता के कराए थे कई बीमा

# बेटों की साजिश: इंश्योरेंस के 3 करोड़ के लिए पिता को सांप से कटवाया

एजेंसी ▶▶| तिरुवल्लूर

तिरुवल्लूर जिले में एक सांप के काटने की घटना अब हत्या का मामला बन गई है। पुलिस ने खुलासा किया है कि पिता की हत्या उसके अपने बेटों ने की थी। मकसद था लगभग तीन करोड़ रुपये का इंश्योरेंस पैसा हासिल करना। घटना को हादसा बताने की साजिश रची गई थी। इस मामले में पीड़ित के दोनों बेटों समेत छह लोग गिरफ्तार हुए हैं। मामले की जानकारी एक इंश्योरेंस कंपनी ने दी थी। कंपनी ने दावे के हालात पर शक जताया था। इसके बाद पुलिस ने विशेष जांच दल बनाकर केस की तह तक पहुंची।

### छह आरोपी हुए गिरफ्तार, जारी है जांच

इस मामले में अब तक छह लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें पीड़ित के दोनों बेटे शामिल हैं। चार अन्य लोग भी शामिल हैं जिन्होंने सांप का इंतजाम किया था। ये सभी आरोपी हत्या की साजिश में शामिल बताए जाते हैं। पुलिस मामले की और गहराई से जांच कर रही है। सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है।

### इंश्योरेंस कंपनी ने किया था अलर्ट

छप्पन साल के ई पी गणेशन सरकारी स्कूल में शिक्षक थे। अक्टूबर में अपने घर पर मृत पाए गए थे। परिवार ने बताया कि सांप काटने से उनकी मौत हुई है। पुलिस ने भी शुरू में इसे हादसा मान लिया था लेकिन इंश्योरेंस कंपनी ने पुलिस को अलर्ट किया। पता चला कि मृतक के नाम पर कई बड़ी पॉलिसी ली गई थीं। नॉमिनी के व्यवहार पर भी शक के बादल थे। इसके बाद गहन जांच शुरू हुई। जिसके बाद दो बेटों सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

### पहली कोशिश हुई थी नाकाम

गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में पता चला कि हत्या से एक सप्ताह पहले भी प्रयास हुआ था। आरोपियों ने एक कोबरा सांप का इंतजाम किया था। उन्होंने इस सांप को पीड़ित के पैर पर कटवाया लेकिन पड़ोसियों की मदद से वह बच गए। इसके बाद आरोपियों ने और अधिक जहरीले सांप करैत का चुनाव किया और गर्दन में डसवाकर हत्या कर दी। सांप को घर पर ही मार दिया गया ताकि यह हादसा लगे।

### अस्पताल ले जाने में हुई देरी भी शक

जांचकर्ताओं ने एक महत्वपूर्ण बात पर गौर किया। पीड़ित को अस्पताल ले जाने में अनावश्यक देरी हुई थी। यह देरी हत्या की साजिश को और पुख्ता करती है। एक असली आपात स्थिति में ऐसी देरी नहीं होती। यह देरी जानबूझकर की गई लगती है। इससे पीड़ित के बचने की संभावना कम हो गई।

### पर्यटन विभाग के कार्यक्रम पर आपत्ति

## गंगा किनारे क्रिसमस पार्टी पर बवाल संतों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

एजेंसी ▶▶| हरिद्वार

धर्मनगरी हरिद्वार में गंगा तट पर क्रिसमस मनाने की तैयारी पर विवाद शुरू हो गया है। तीर्थ पुरोहितों और गंगा सभा ने इस आयोजन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने इसे सनातन धर्म की परंपराओं के खिलाफ बताया है। पुरोहितों ने साफ चेतावनी दी है कि गंगा किनारे ऐसे आयोजन बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने 25 दिसंबर को एक कार्यक्रम प्रस्तावित किया है। यह आयोजन हरिद्वार के भागीरथी होटल परिसर में होना है। यह स्थान गंगा तट के बेहद करीब है। जैसे ही इसकी खबर फैली, तीर्थ पुरोहित नाराज हो गए। उनका मानना है कि पवित्र गंगा तट पर गैर-सनातन आयोजन करना गलत है। गंगा सभा से जुड़े उज्ज्वल पंडित ने कड़ा रुख अपनाया है। अगर पर्यटन विभाग ने यह कार्यक्रम रद्द नहीं किया, तो उग्र आंदोलन होगा।

### 'गंगा केवल नदी नहीं, आस्था है'

विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि गंगा सिर्फ एक नदी नहीं है। यह सनातन संस्कृति और करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। हरिद्वार एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। यहां की अपनी मर्यादा और परंपराएं हैं। ऐसे पवित्र स्थान पर क्रिसमस जैसा आयोजन धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है।

## निवेश लिए अगले साल लें स्मार्ट फैसला, तभी कर पाएंगे कमाई

# मल्टी-एसेट में मिलेगा बढ़िया रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- इस साल 2025 में गोल्ड और सिल्वर में रही मजबूत रैली
- बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश न करें
- बेहतर है लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं
- जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सकेगा
- शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय अनुशासन व लंबी अवधि पर करें फोकस

साल 2025 वैश्विक और घरेलू स्तर पर निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टैरिफ, जियो-पॉलिटिकल टेंशन, जीएसटी सुधार और आईपीओ की बढ़ती गतिविधियों के बीच शेयर बाजार लंबे समय तक सीमित दायरे में घूमता रहा। हालांकि साल के दूसरे हिस्से में बाजार में धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिखने लगे। इसी दौरान 2 एसेट क्लास सोना और चांदी ने निवेशकों को सबसे ज्यादा अट्रैक्ट किया। जहां सोने ने इस कैलेंडर ईयर में अबतक 63% रिटर्न दिया, वहीं चांदी ने 100% से ज्यादा की तेजी दिखाई, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी एक बार फिर वैकल्पिक एसेट्स की ओर बढ़ी। बीते रिटर्न को देखकर निवेश करना अक्सर गलत फैसलों की वजह बनता है। तेजी के बाद निवेश करने का ट्रेंड, जिसे रिटर्न के पीछे भागना" कहा जाता है, लंबे समय में नुकसान भी पहुंचा सकती है। ऐसे माहौल में विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने के बजाय निवेशकों को लंबी अवधि की सोच, अनुशासन और मल्टी-एसेट डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान देना चाहिए। अलग-अलग एसेट क्लास में संतुलित निवेश न सिर्फ रिस्क को कम करता है, बल्कि समय के साथ कंपाउंडिंग के जरिए बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है।

### रिटर्न के पीछे भागना गलत स्ट्रैटेजी

लॉन्ग टर्म रिटर्न चार्ट देखें तो पता चलेगा कि सोने में निवेशकों का इंटरेस्ट तब तेजी से बढ़ता है, जब इसके रिटर्न तेजी से बढ़ने लगते हैं, लेकिन जैसे ही कीमतें गिरती हैं, यह इंटरेस्ट भी कम हो जाता है। यह प्रतिक्रिया पर आधारित तरीका साफ बताता है कि निवेश में अनुशासन और निरंतरता कितनी जरूरी है। बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने की बजाय, निवेशकों के लिए बेहतर है कि वे लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं, जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सके। इसे अपनाने का एक असरदार तरीका है आउटसोर्स्ड एसेट एलोकेशन, यानी ऐसे फंड्स में निवेश करना जो अलग-अलग एसेट क्लास में अपने आप निवेश को संतुलित करते हैं।

### क्यों जरूरी है डायवर्सिफिकेशन

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के पीछे भागना, चाहे तेजी के समय शेयर हों या गिरावट के समय सोना, अक्सर गलत समय पर निवेश करने और बाजार के अधिक उतार-चढ़ाव का जोखिम बढ़ा देता है। डायवर्सिफिकेशन इन जोखिम को कम करता है, क्योंकि इसमें पैसा अलग-अलग एसेट्स में लगाया जाता है जो अलग परिस्थितियों में अलग तरह से व्यवहार करते हैं। लेकिन अब यह ट्रेंड फिर से बदल रहा है। जून 2024 से, बाजार ने एक बार फिर तेज ग्रोथ और अच्छी क्वालिटी वाली कंपनियों को बेहतर रिटर्न देना शुरू कर दिया है। इन कंपनियों ने अप्रैल 2023 से मई 2024 के दौरान हुए अपने खराब प्रदर्शन का एक-चौथाई से ज्यादा हिस्सा वापस हासिल कर लिया है। इसलिए निवेशकों को शेयरों में भी अलग-अलग स्टाइल में निवेश करके पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करना चाहिए।

### समझदारी दिखाएं

आज की दुनिया में, जहां बदलाव लगातार हो रहा है, समझदारी से किया गया डायवर्सिफिकेशन एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाने के लिए सिर्फ अच्छा नहीं, बल्कि बहुत जरूरी है। निवेशकों को शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय संतुलन, अनुशासन और लंबी अवधि की रणनीति पर ध्यान देना चाहिए। इसलिए, अलग-अलग एसेट्स में डायवर्सिफाइड मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो को जोखिम और रिटर्न के सही संतुलन में मदद करने दें, ताकि समय के साथ कंपाउंडिंग अपना कमाल दिखा सके।

### प्रमुख एसेट क्लास और उनका व्यवहार

आज के आपस में जुड़े हुए और उतार-चढ़ाव भरे ग्लोबल वित्तीय माहौल में, सिर्फ एक ही एसेट क्लास पर भरोसा करना निवेशकों के लिए बेवजह का जोखिम पैदा कर सकता है, चाहे उसने हाल ही में कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। इस समय मुख्य एसेट क्लास किस तरह का व्यवहार कर रहे हैं।

**सोना और चांदी**

ये कीमती धातुएं पारंपरिक रूप से सुरक्षित निवेश मानी जाती हैं। महंगाई के समय या जब सामान्य करेंसी (फिएट करेंसी) कमजोर होती है, तब ये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। चांदी का इस्तेमाल इंडस्ट्री में भी होता है, इसलिए यह इकोनॉमिक साइकिल से ज्यादा प्रभावित होती है। इससे इसमें उतार-चढ़ाव भी ज्यादा होता है, लेकिन मौके भी मिलते हैं।

**शेयर (इक्विटी)**

शेयरों में बढ़त की अच्छी संभावना होती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो नई तकनीक और इनोवेशन से जुड़े होते हैं, लेकिन ये ब्याज दरों, कंपनियों की कमाई के अनुमान और आर्थिक बदलावों के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। अलग-अलग देशों और इंडस्ट्री में इनका प्रदर्शन काफी अलग हो सकता है।

**फिक्स्ड इनकम (बॉन्ड)**

बॉन्ड अपेक्षाकृत स्थिरता और फिक्स्ड इनकम देते हैं। हालांकि ब्याज दरें बढ़ने पर बॉन्ड की कीमतों पर दबाव आ सकता है, फिर भी ये जोखिम कम करने और पूंजी को सुरक्षित रखने के लिए बहुत जरूरी होते हैं। खासकर सतर्क निवेशकों या

रिटायरमेंट के करीब लोगों के लिए ये काफी उपयोगी हैं।

**रियल एसेट्स और वैकल्पिक निवेश**

रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और कमोडिटीज महंगाई से बचाव करने और निवेश में डाइवर्सिफिकेशन लाने में मदद कर सकते हैं। वहीं, प्राइवेट इक्विटी और हेज फंड जैसे वैकल्पिक निवेश रिटर्न बढ़ा सकते हैं, लेकिन इनमें जोखिम अधिक होता है और पैसा जल्दी निकालना आसान नहीं होता।

*(डिस्क्लेमर : यह आर्टिकल ब्रोकरेज हाउस की रिपोर्ट के आधार पर जानकारी के उद्देश्य से दिया है। यह फाइनेंशियल एक्सप्रेस के निजी विचार नहीं हैं। किसी कैटेगरी में निवेश की सलाह ब्रोकरेज हाउस के द्वारा दी गई है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश के पहले एक्सपर्ट की सलाह लें।)*

## विदेश घूमने का है प्लान तो ट्रैवल इंश्योरेंस लेते समय न करें गलतियां

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी विदेश में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो कुछ सावधानियां बरतें और विदेश जाने से पहले ट्रैवल इंश्योरेंस की बारीकियों को अच्छे से समझ लें, ताकि कवरेज, सब-लिमिट या बीमारी छिपाने जैसी गलती से आपका क्लेम अटके नहीं। वरना आपको इससे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। अक्सर विदेश घूमने की प्लानिंग में फ्लाइट, होटल, घूमने-फिरने की जगहें सब कुछ सोच लिया जाता है, लेकिन ज्यादातर लोग इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस को हल्के में ले लेते हैं, जबकि बाहर कुछ अनहोनी हो जाए तो यही इंश्योरेंस बड़ा सहारा बन सकता है। जानकारों का कहना है कि भारतीय यात्री अक्सर कुछ आम गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बाद में भारी नुकसान हो सकता है। इसलिए कभी भी विदेश घूने के लिए जाएं तो इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस के बारे में अच्छे से जान लें। इससे आप आसानी से बिना किसी चिंता के विदेश घूम सकेंगे। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ नियम जो आपको विदेश जाने के दौरान होने वाली परेशानियां से बचाएंगे और सुरक्षित रखेंगे।

### कवरेज की रकम कम रखना सबसे बड़ी भूल

शेंगेन देशों के लिए वीजा लेने के लिए कम से कम 30,000 यूरो का कवर जरूरी होता है, लेकिन ये सिर्फ वीजा की शर्त है, सुरक्षा के लिए नहीं। अमेरिका या यूरोप जैसे देशों में मेडिकल खर्चा बहुत ज्यादा होता है। वहां एक दिन आईसीयू में रहने से ही पूरी कवरेज रकम खत्म हो सकती है और बाकी लाखों रुपये खुद की जेब से देने पड़ सकते हैं। इसलिए सावधानी बरतें और ध्यान रखें।

### पहले से मौजूद बीमारियां छिपाना भारी

कई लोग डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी पुरानी बीमारियां छिपा देते हैं, ताकि प्रीमियम कम देना पड़े। अगर विदेश में हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़े और वो बीमारी छिपाई गई पुरानी बीमारी से जुड़ी हुई निकले, तो क्लेम तुरंत रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए जब भी इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस लें तो अपनी सारी बीमारियों का उल्लेख करें। इससे क्लेम लेने में परेशानी होगी।

### सिर्फ मेडिकल कवर पर ध्यान न दें

ट्रैवल इंश्योरेंस में सिर्फ इलाज ही नहीं, फ्लाइट डिले, कैंसिलेशन और सामान खोने जैसी परेशानियों का भी कवर मिलता है। "अगर फ्लाइट छह घंटे से ज्यादा लेट हो जाए तो होटल और खाने का खर्चा क्लेम किया जा सकता है। सामान खोने पर एयरलाइन का लिखित डॉक्यूमेंट जरूर रखें, वरना इंश्योरेंस कंपनी क्लेम नहीं मानेगी।" इसलिए सिर्फ मेडिकल कवर ही नहीं, बाकी चीजों पर ध्यान न दें, ताकि किसी आपात स्थिति में आपको परेशानी का सामना न करना पड़े।

### सब-लिमिट को नजरअंदाज करना

कई पॉलिसी में रूम रेंट या सर्जरी जैसे खर्चों पर अलग-अलग कैप यानी सब-लिमिट होती है। "भले ही कुल कवरेज रकम ज्यादा हो, लेकिन सब-लिमिट की वजह से क्लेम में बहुत कटौती हो सकती है।" इसलिए सब लिमिट पर भी ध्यान दें, ताकि बाद में पछताना न पड़े। इससे आप आसानी से क्लेम कर सकेंगे।

**अपनी ट्रिप के हिसाब से सही इंश्योरेंस चुनें**

कवरेज रकम और फीचर्स आपकी यात्रा की जगह, मकसद और दिनों के हिसाब से होने चाहिए। जानकारों का कहना है कि आप जिस देश में जा रहे हैं, वहां इलाज का औसत खर्चा एक बार जरूर चेक कर लेना चाहिए। अमेरिका-यूरोप में इलाज का खर्च बहुत महंगा पड़ता है, जबकि साउथ ईस्ट एशिया या मिडिल ईस्ट में थोड़ा कम, लेकिन फिर भी काफी ज्यादा होता है। इसलिए पहले उस देश की स्थिति जरूर देख लें जहां आप घूमने जा रहे हैं।

### यात्रा का मकसद

बिजनेस ट्रिप पर जाने वाले लोग फ्लाइट डिले, मिस्ड कनेक्शन और लैपटॉप-डिवाइस कवर को प्राथमिकता दें। घूमने-फिरने वाले लोगों को एडवेंचर स्पोर्ट्स, कार रेंटल या क्रूज कवर की जरूरत पड़ सकती है। "बुजुर्गों को पुरानी बीमारियां पूरी तरह बतानी चाहिए। कैशलेस हॉस्पिटलाइजेशन वाली पॉलिसी लें और कम खर्च वाले देशों में भी ज्यादा कवरेज रखें।" शुरू में आपको थोड़ा ज्यादा पैसा प्रीमियम के तौर पर देना पड़ सकता है, बाद में यह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

### एक्सक्लूजन और शर्तें ध्यान से देखें

एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं : ज्यादातर पॉलिसी में सिर्फ लाइसेंस वाले इंस्ट्रक्टर की निगरानी में किए गए मनोरंजन वाले एक्टिविटी का कवर मिलता है। प्रोफेशनल लेवल पर प्राइज मनी वाली एक्टिविटी शामिल नहीं होती। एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं देखकर ही बीमा करवाएं।

### डिडक्टिबल और सब-लिमिट

डिडक्टिबल वो फिक्स रकम है जो आपको खुद देनी पड़ती है, उसके बाद इंश्योरेंस शुरू होता है। "लोग अक्सर नहीं जानते कि डिडक्टिबल से कम का क्लेम बिल्कुल नहीं मिलेगा।" विदेश यात्रा का इंश्योरेंस सिर्फ औपचारिकता नहीं है। सही तरीके से समझकर और अपनी जरूरत के मुताबिक लिया गया प्लान भारी-भरकम मेडिकल बिल, ट्रिप में रुकावट और दूसरी परेशानियों से बचा सकता है।

## निवेशकों को खूब भाया

# फ्लेक्सी कैप फंड्स इस साल रहा टॉपर

- नेट सेल्स 12 महीनों में सबसे ज्यादा रही
- म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ हुआ
- फ्लेक्सी कैप की खासियत ये लार्ज, मिड व स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश बदलते रहते हैं

बिजनेस डेस्क

एक साल में म्यूचुअल फंड मार्केट में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे बड़े विजेता बनकर उभरे हैं। यह दिखाता है कि उतार-चढ़ाव वाले बाजार में निवेशक अब ज्यादा लचीलापन चाहते हैं। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। निवेशकों ने इसमें बढ़-चढ़कर निवेश और अपनी पूंजी बढ़ाई। इस फंड में मिल रहे अच्छे रिटर्न के कारण ही यह इस सबसे लोकप्रिय फंड बनकार उभरा और निवेशकों का धन बढ़ाने का काम किया।

### इक्विटी की मजबूती से बूस्ट

फ्लेक्सी-कैप फंड्स के अच्छे प्रदर्शन से कुल इक्विटी-बेस्ड म्यूचुअल फंड्स की हिस्सेदारी बढ़ी है। अब इक्विटी स्कीमें कुल म्यूचुअल फंड एयूएम का करीब 60% हिस्सा रखती हैं, जो बताता है कि रिटेल निवेशक हाई रिटर्न के लिए जोखिम लेने को तैयार हैं। एसआईपी के जरिए इक्विटी फंड्स में लगातार पैसा आ रहा है, जिससे फ्लेक्सी-कैप फंड्स को लंबे समय का स्थिर निवेश मिल रहा। ये पोर्टफोलियो का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

### म्यूचुअल फंड का एसेट्स बैंक डिपॉजिट का एक तिहाई

घरेलू बचत के तरीके में अब साफ बदलाव दिखाई दे रहा है। म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो अब कुल बैंक डिपॉजिट का करीब 33% है। एक दशक पहले यह आंकड़ा सिर्फ करीब 13% था। यह बढ़ोतरी दिखाती है कि निवेशक पारंपरिक फिक्स्ड डिपॉजिट से धीरे-धीरे हटकर लंबे समय में ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं, खासकर फ्लेक्सी-कैप जैसे इक्विटी आधारित फंड्स की तरफ।

### निवेशकों की सोच में बदलाव

पिछले 5 सालों में म्यूचुअल फंड की संपत्ति 22% की सालाना दर (सीएजीआर) से बढ़ी है, जो बैंक डिपॉजिट की करीब 11% की बढ़त से डबल है। यह बढ़ता गैप बताता है कि लोगों में वित्तीय जागरूकता बढ़ी है, मेट्रो शहरों के बाहर भी म्यूचुअल फंड की पहुंच मजबूत हुई है और प्रोफेशनल फंड मैनेजमेंट पर भरोसा बढ़ा है। ग्रोथ की संभावना और लचीलापन रखने वाले फ्लेक्सी-कैप फंड्स इस बदलाव के सबसे बड़े बेनेफिशियरीज में शामिल हैं।

### फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता व घरेलू बचत में म्यूचुअल फंड की बढ़ती हिस्सेदारी यह साफ दिखाती है कि भारत में निवेश की सोच बदल रही है। निवेशक अब बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

### क्या है फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करता है। इसमें फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, जिससे वे बाजार की स्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।

### फ्लेक्सी कैप फंड की विशेषताएं

- **लचीलापन:** फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, वे बाजार के अनुसार पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।
- **विविधता:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से लार्ज, मिड व स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **जोखिम और रिटर्न का संतुलन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको जोखिम और रिटर्न का संतुलन मिलता है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है ।

### फ्लेक्सी कैप फंड के लाभ

- **पेशेवर मैनेजमेंट:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको पेशेवर फंड मैनेजर्स की दक्षता और जानकारी का लाभ मिलता है।
- **डायवर्सिफिकेशन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है

## ईपीएफ-एनपीएस से एफडी तक

# 2025 में बुजुर्गों को मिला कितना रिटर्न

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इस साल भारत के बुजुर्गों के लिए सेवानिवृत्ति पर निवेश से मिले-जुले नतीजे सामने आए हैं। ज्यादातर फिक्स्ड इनकम वाले विकल्पों में रिटर्न स्थिर रहे, जबकि शेयर बाजार से जुड़े निवेश में काफी उतार-चढ़ाव दिखा। यह सब निवेश की मात्रा और सही समय पर निर्भर करता रहा। सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न अच्छे और स्थिर रहे। पेंशनबाजार के हेड विश्वजीत गोयल के मुताबिक, ईपीएफ ने 2024-25 के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दिया। वहीं सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी सरकारी छोटी बचत योजनाओं में 8.2 फीसदी का रिटर्न मिला। पोस्ट ऑफिस की जमा योजनाएं 6.9 से 7.5 फीसदी तक ब्याज दे रही थीं, जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट में बुजुर्गों को 7 से 7.5 फीसदी के बीच मिला। कुल मिलाकर सुरक्षित विकल्पों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया।

### बाजार से जुड़े निवेश में बड़ा अंतर

मार्केट लिंक्ड विकल्पों की बात अलग थी। विश्वजीत गोयल बताते हैं कि नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के इक्विटी स्कीमों ने एक साल में मिड-20 से लो-30 फीसदी तक रिटर्न दिया। कॉर्पोरेट बॉन्ड स्कीमों में करीब 9 फीसदी और सरकारी बॉन्ड स्कीमों में 4 से 6 फीसदी तक मिला।

- रिटायरमेंट निवेश का सचः 2025 में बुजुर्गों के रिटायरमेंट निवेश में फिक्स्ड इनकम स्थिर रहे
- वहीं, इक्विटी और एनपीएस में रिटर्न समय और निवेश के हिसाब से बदलते रहे

*एक आम रिटायरमेंट के करीब व्यक्ति जिसने एनपीएस में बैलेंस्ड तरीके से पैसा लगाया, उसे कुल 8 से 12 फीसदी रिटर्न हाथ लगा, लेकिन शेयर बाजार इंडेक्स ने बहुत कम दिया। जानकारों के अनुसार, निफ्टी और सेंसेक्स टीआरआई ने वित्त वर्ष 2025 में महज करीब 6 फीसदी रिटर्न दिया।*

### निवेशकों की गलतियां

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि कई बुजुर्गों ने गलतियां कीं। ज्यादातर लोग बैंक डिपॉजिट में ही ज्यादा पैसा रखे रहे, टैक्स बचत वाले विकल्पों का फायदा नहीं उठाया या गलत एन्युटी प्लान चुन लिया, जिससे पेंशन कम हो गई या जीवनसाथी को कोई सुरक्षा नहीं मिली। सबसे बड़ी समस्या यह रही कि मेडिकल महंगाई 12-15 फीसदी की रफ्तार से बढ़ रही है, जबकि ज्यादातर बुजुर्गों को सिर्फ 7-8 फीसदी रिटर्न मिल रहा है। ऑनलाइन ठगी का खतरा बताया। उदाहरण के तौर पर पुणे के एक रिटायर्ड बैंक मैनेजर ने गारंटीड रिटर्न का लालच देकर चलाए जा रहे ऑनलाइन स्कैम में पूरा 2.2 करोड़ रुपये गंवा दिए।

### ये जरूरी बदलाव आपको 2026 के लिए क्या करनी है तैयारी

- आर्थिक विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अब धीरे-धीरे ऐसा पोर्टफोलियो बनाएं। इसमें नियमित आय भी आए और थोड़ी ग्रोथ भी रहे। मिड और स्मॉल कैप में ज्यादा निवेश कम करें, डेट हिस्से को मजबूत बनाएं और 3 से 5 साल की जरूरत के लिए लिक्विडिटी अलग रखें।
- एससीएसएस, ईपीएफ, शॉर्ट से मीडियम टर्म डेट फंड्स, रीट्स/इनविट्स, लैडर्ड फिक्स्ड डिपॉजिट और थोड़ा सा इक्विटी हिस्सा मिलाकर चलें। साथ ही 6 से 12 महीने का आपातकालीन फंड जरूर रखें।

### अनुमानः ब्याज दरें नीचें आएंगी

- विशेषज्ञों की लोगों को सलाह कि वे लंबे समय के ब्याज दरें नीचे आएंगी, इसलिए अभी जो अच्छे स्थिर रिटर्न मिल रहे हैं, उन्हें लॉक कर लेना चाहिए। अनुमान है कि 2026 में बैंक एफडी पर 5.5 से 7.5 फीसदी और जी-सेक पर 6 से 6.5 फीसदी तक मिल सकता है। अगर ब्याज दरें गिरेंगी तो एन्युटी की पेआउट भी कम हो सकती है।
- 2024-25 में कई बड़े नियम बदले। यूनिफाइड पेंशन स्कीम शुरू हुई, एनपीएस वात्सल्य लॉन्च हुआ, एनपीएस/यूपीएस/एपेवाई के चार्जेस बदले गए और इंश्योरेंस टैक्स व जीएसटी में भी बदलाव आए। 2026 की प्लानिंग करते समय इन सब पर नजर रखनी जरूरी है।

## सावधानी नहीं बरती तो बिगड़ जाएगा फाइनेंस का पूरा गणित

# जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही तय करते हैं बुढ़ापे की जिंदगी

### लापरवाही बरती तो बुढ़ापे में इसका खामियाजा भुगतना होगा

बिजनेस डेस्क

जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही बुढ़ापे की जिंदगी तय करते हैं। अगर आपने इस उम्र में गलत डिसीजन लिए या लापरवाही बरती तो बुढ़ापे पर आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे 5 ऐसी गलतियों के बारे में जो आपके बुढ़ापे पर फाइनेंस का पूरा गणित बिगाड़ सकती हैं और आपको भारी आर्थिक परेशानियों का समना करना पड़ सकता है। जवानी में करियर, मस्ती और लाइफस्टाइल पर पूरा फोकस रहता है। इसी भागदौड़ में कई ऐसे फैसले टलते रहते हैं, जो बुढ़ापे को सिक्योर बनाने के लिए बेहद जरूरी होते हैं। उस वक्त लगता है कि अभी बहुत समय है, बाद में देख लेंगे. लेकिन जब उम्र बढ़ती है और जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, तब उन गलतियों को सुधारने की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है।

*निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि आपके भविष्य की सुरक्षा*

### निवेश में देरी

सबसे बड़ी और सबसे आम गलती है समय रहते निवेश शुरू न करना। कई लोग निवेश को खर्च समझ लेते हैं और सोचते हैं कि जब सैलरी बढ़ेगी तब निवेश करेंगे। कुछ लोग 20 साल और 30 साल की उम्र मौज-मस्ती में निकाल देते हैं, जबकि हकीकत यह है कि निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि आपके भविष्य की सुरक्षा है। छोटी रकम से भी निवेश शुरू किया जा सकता है, जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना ज्यादा समय कंपाउंडिंग को मिलेगा और उतना बड़ा फंड तैयार होगा। देर करने पर बुढ़ापे में फंड की कमी साफ महसूस होती है। इसलिए हमेशा निवेश जल्द शुरू कर देना चाहिए, ताकि बाद में पछताना ना पड़े और समय रहते आपके पास अच्छा खासा फंड एकत्र हो सके।

### घर नहीं सोचा तो बुढ़ापे में परेशानी

आज भी बहुत से लोग किराए के घर में रहते हुए सोचते रहते हैं कि कभी तो अपना घर लेंगे। लेकिन सही समय पर प्लानिंग न करने की वजह से ये सपना अधूरा रह जाता है। जवानी में होम लोन लेना आसान होता है, ईएमआई चुकाने के लिए लंबा समय मिलता है और इनकम बढ़ने की संभावना भी रहती है। 40 साल की उम्र के बाद ये फैसला मुश्किल हो जाता है। जो लोग समय रहते घर की प्लानिंग नहीं करते, वो बुढ़ापे में सबसे ज्यादा पछताते हैं। इसलिए आप अपना बुढ़ापा शान से गुजारना चाहते हैं तो 40 साल की उम्र होने से पहले ही अपने लिए एक मकान जरूर बना लें। इससे आपको बुढ़ापे में परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी।

### लाइफस्टाइल के चक्कर में कर्ज का जाल

जरूरत और शौक के फर्क को न समझना भी एक बड़ी गलती है। कई युवा लग्जरी लाइफ जीने के लिए क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो जाते हैं। लंबे समय तक कर्ज चुकाने से सेविंग नहीं बन पाती। नतीजा यह होता है कि बुढ़ापे तक भी ईएमआई पीछा नहीं छोड़ती। लोन उतना ही लें, जितना आपकी इनकम और सेविंग्स आराम से संभाल सकें। लाइफस्टाइल के चक्कर में कर्ज का जाल एक बड़ा खतरा है, जिससे हमें बचना होगा। हमें अपनी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देनी, बजट बनाना, कर्ज लेने से पहले सोचना और कर्ज को जल्दी चुकाने की कोशिश करनी होगी। तभी हम कर्ज के जाल से बच सकते हैं।

### इंश्योरेंस से दूरी

कई लोग सोचते हैं कि इंश्योरेंस की अभी क्या जरूरत है, लेकिन यही सोच आगे चलकर भारी पड़ती है। कम उम्र में टर्म और हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर प्रीमियम कम होता है और कवर ज्यादा मिलता है। यह मुश्किल समय में आपके और आपके परिवार के लिए मजबूत सुरक्षा कवच बनता है। हेल्थ खर्च और अनहोनी से बचाव के लिए इंश्योरेंस को नजरअंदाज करना बड़ी भूल है। समय रहते इंश्योरेंस कवर ले लेना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में मुंह न ताकना पड़े।

### रिटायरमेंट प्लानिंग टालना

बच्चे संभाल लेंगे या अभी तो बहुत टाइम है जैसी सोच सबसे खतरनाक होती है। जल्दी रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना ही मजबूत फंड तैयार होगा।